पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय दिल्ली कैंट नं. 3 में निपुण लक्ष्य

प्रस्तावना

विद्यालय द्वारा निपुण भारत (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy) के मुख्य उद्देश्यों को सक्रिय रूप से लागू किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों में आवश्यक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। विभिन्न प्रकार के आकर्षक, आनंदमय और गतिविधि-आधारित शिक्षण अनुभवों को शामिल करके, विद्यालय बच्चों के अनुकूल और तनाव-मुक्त शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करता है।

प्रमुख पहल और कक्षा अभ्यास

क. **बुनियादी साक्षरता गतिविधियाँ**

संवाद, पठन और प्रारंभिक लेखन कौशल को मजबूत करने के लिए, प्राथमिक विभाग नियमित रूप से लक्षित गतिविधियों का आयोजन करता है:

- भाषा तत्परता (Language Readiness): इसे कविताओं, सस्वर गीतों (action songs), कहानी सुनाने, चित्र पढ़ने के सत्रों और खुली बातचीत के माध्यम से सहजता से विकसित किया जाता है।
- समझ और शब्दावली (Comprehension & Vocabulary): कहानी सुनाने और कहानी को क्रम में लगाने (story-sequencing) के अभ्यास से छात्रों की सुनने की क्षमता और आत्म-अभिव्यक्ति में सुधार होता है।
- आत्मविश्वास निर्माण (Confidence Building): छात्र संचार कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए रोल प्ले (भूमिका निर्वहन), नाटकीयता और कठपुतली शो (puppet shows) में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
- ध्वन्यात्मकता और शब्द अध्ययन (Phonics & Word Study): चित्र-शब्द मिलान, शब्द निर्माण और वर्णमाला पहचान जैसी व्यवस्थित गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।
- स्वतंत्र पठन (Independent Reading): नियमित रूप से स्वतंत्र रूप से पढ़ने की आदत डालने के लिए कक्षाओं में 'रीडिंग कॉर्नर' (पठन कोने) और पुस्तकालय बनाए रखे जाते हैं।
- शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM): भाषा सीखने को सार्थक बनाने के लिए शिक्षक नियमित रूप से फ्लैशकार्ड, चित्र कार्ड और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हैं।

विशेष रुप से प्रदर्शित साक्षरता गतिविधि:

- गतिविधि का नाम: "टू द मून" (To the Moon) – इंटरएक्टिव रीडिंग और एक्शन राइम्स

छात्र उच्चारण, हाव-भाव और नाटकीय प्रदर्शन का अभ्यास करते हुए इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया भाषा सत्रों में संलग्न होते हैं।

ख. **बुनियादी संख्यात्मकता गतिविधियाँ**

गणितीय सिद्धांतों को अमूर्त विचारों से बदलकर व्यावहारिक अनुभवों में परिवर्तित किया जाता है:

- संख्या बोध (Number Sense): शुरुआती अवधारणाओं को ठोस वस्तुओं, गिनती की सामग्रियों, संख्या कार्डों और गणितीय मैनिपुलेटिव्स (manipulatives) का उपयोग करके सिखाया जाता है।
- गणितीय संक्रियाएँ (Operations): बुनियादी जोड़ और घटाव को वास्तविक जीवन की स्थितियों और व्यावहारिक, व्यावहारिक (hands-on) गतिविधियों के माध्यम से सिखाया जाता है।
- स्थानिक और तार्किक कौशल (Spatial & Logic Skills): आकृतियों, पैटर्नों, मापन, समय और बुनियादी धन–गणित की मूलभूत अवधारणाओं को छात्रों के रोजमर्रा के उदाहरणों से जोड़ा जाता है।
- समस्या समाधान (Problem Solving): कक्षा में पहेलियाँ, मानसिक गणित के खेल और गतिविधि–आधारित कार्यपत्रक (worksheets) रणनीतिक गणितीय सोच को बढ़ावा देते हैं।

विशेष रुप से प्रदर्शित संख्यात्मकता गतिविधियाँ:

- गतिविधि का नाम: गणित – वस्तुओं की गिनती करना (संख्या बोध विकसित करना)

एक समर्पित इंटरएक्टिव सेटअप जहाँ ठोस वस्तुओं (स्टेशनरी, लंच बॉक्स और गिनती कार्ड) को डिजिटल स्क्रीन के साथ जोड़कर बुनियादी अंकगणितीय कौशल का निर्माण किया जाता है।

- गतिविधि का नाम: 2-डी आकृतियों की पहचान (भुजाएँ और शीर्ष)

प्राथमिक छात्र भौतिक फ्लैशकार्ड का उपयोग करके बुनियादी बहुभुजों (polygons) की पहचान करने, उनकी भुजाओं और शीर्षों की गिनती करने के लिए एक सहयोगात्मक ज्यामिति कार्य पर मिलकर काम करते हैं।

शैक्षणिक दृष्टिकोण और मूल्यांकन

अनुभवात्मक और खेल–आधारित शिक्षा (Experiential and Play-Based Learning): रटने की प्रवृत्ति को सक्रिय खोज से बदल दिया गया है। शिक्षक कला, शिल्प, संगीत, गतिविधि और स्थानीय–संदर्भ आधारित खेलों को दैनिक शैक्षणिक विषयों के साथ सहजता से जोड़ते हैं।

- योग्यता–आधारित मूल्यांकन (Competency-Based Assessment): सीखने के अंतराल (learning gaps) की पहचान करने के लिए नियमित रूप से रचनात्मक और योग्यता–आधारित मूल्यांकन किया जाता है।
- उपचारात्मक सहायता (Remedial Support): अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले छात्रों को उनकी सीखने की आवश्यकताओं के अनुसार उपचारात्मक (remedial) और विभेदित गतिविधियाँ प्रदान की जाती हैं।

---

4. समग्र प्रभाव

निपुण भारत पहलों के क्रियान्वयन ने प्राथमिक कक्षाओं को एक अत्यंत आनंदमय, समावेशी और गतिविधि–उन्मुख शिक्षण वातावरण में बदल दिया है। छात्र बुनियादी पठन गति, समझ के साथ पढ़ना, व्यावहारिक संख्यात्मकता, महत्वपूर्ण सोच और सहयोगात्मक संचार में मापने योग्य प्रगति दिखा रहे हैं– जिससे वे अपनी भविष्य की शिक्षा के लिए मुख्य आधारशिला को सफलतापूर्वक सुरक्षित कर रहे हैं।

NIPUN Lakshay in PM SHRI Delhi Cantt No 3

1. Introduction

The school is actively implementing the core objectives of **NIPUN Bharat** (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy). The program focuses on developing essential **Foundational Literacy and Numeracy (FLN)** skills among primary class students. By integrating a variety of engaging, joyful, and activity-based learning experiences, the school ensures a child-friendly and stress-free academic environment.

---

2. Key Initiatives & Classroom Practices

A. Foundational Literacy Activities

To strengthen communication, reading, and early writing skills, the primary segment conducts regular targeted interactions:

- **Language Readiness:** Developed seamlessly through interactive rhymes, action songs, storytelling, picture reading sessions, and open conversations.
- **Comprehension & Vocabulary:** Storytelling and story-sequencing exercises enhance listening capabilities and self-expression.
- **Confidence Building:** Students actively participate in collaborative role plays, dramatizations, and puppet shows.
- **Phonics & Word Study:** Systematic activities including picture-word matching, word building, and alphabet letter recognition are standard practice.
- **Independent Reading:** Classroom reading corners and libraries are maintained to foster a regular, independent reading habit.
- **Teaching Learning Material (TLM):** Teachers regularly utilize flashcards, picture cards, and locally sourced materials to create meaningful language environments.

Featured Literacy Activity:

Activity Name: "To the Moon" – Interactive Reading & Action Rhymes

Students engage in interactive multimedia language sessions, practicing pronunciation, expressions, and dramatic performance.

B. Foundational Numeracy Activities

Mathematical principles are transformed from abstract ideas into practical experiences:

- **Number Sense:** Initial concepts are introduced using concrete objects, counting items, number cards, and mathematical manipulatives.
- **Operations:** Basic addition and subtraction are introduced via real-life scenarios and tactile, hands-on tasks.
- **Spatial & Logic Skills:** Foundational lessons in shapes, patterns, measurements, time, and basic money math are grounded in everyday student examples.
- **Problem Solving:** Classroom puzzles, mental math games, and task worksheets promote strategic mathematical thinking.

Featured Numeracy Activities:

Activity Name: Mathematics – Count the Objects (Developing Number Sense)

A dedicated interactive setup where concrete objects (stationery, lunchboxes, and counting cards) are paired with digital screen targets to build concrete arithmetic skills.

Activity Name: Identifying 2-D Shapes (Sides and Vertices)

Primary students working together on a collaborative geometry assignment to identify basic polygons, counting their sides and vertices using physical flashcards.

---

3. Pedagogical Approach & Assessment

- **Experiential and Play-Based Learning:** Rote memorization is replaced with active discovery. Teachers seamlessly integrate art, craft, music, movement, and context-driven games straight into daily academic subjects.
- **Competency-Based Assessment:** Formative tracking is used regularly to highlight individual learning gaps early.
- **Remedial Support:** Differentiated work paths and customized activities are structured for students requiring additional, targeted reinforcement.

---

4. Overall Impact

The execution of NIPUN Bharat initiatives has effectively transformed the primary classrooms into a highly joyful, inclusive, and action-oriented ecosystem. Students are demonstrating measurable progress in foundational reading speed, comprehensive text understanding, functional numeracy, critical thinking, and collaborative communication—successfully securing the core building blocks for their future education.